स्वर्ण जयन्ती प्रकाशन 2013

रिखियापीठ सत्संग

भाग 4

स्वामी सत्यानन्द सरस्वती

योग पब्लिकेशन्स ट्रस्ट, मुंगेर, बिहार, भारत

रिखियापीठ सत्संग

भाग 4

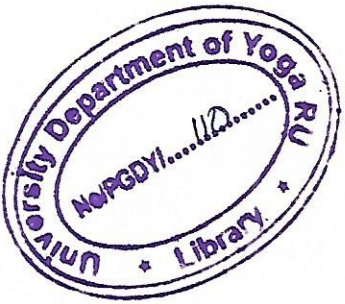

BIHAR SCHOOL OF YOGA
50 years
1963–2013
GOLDEN JUBILEE

WORLD YOGA CONVENTION 2013
GANGA DARSHAN, MUNGER, BIHAR, INDIA
23rd–27th October 2013

SATYANANDA YOGA
BIHAR YOGA

श्री स्वामी सत्यानन्द सरस्वती झारखण्ड राज्य के अज्ञात-से गाँव, रिखिया में सन् 1989 में पधारे और यहाँ उन्होंने अपने आध्यात्मिक जीवन का एक नया अध्याय प्रारम्भ किया। गहन वैदिक तपस्याओं और साधनाओं को सम्पन्न कर उन्होंने भावी पीढ़ियों के लिए संन्यास परम्परा का एक उच्च आदर्श स्थापित किया। सन् 2007 में उन्होंने 'सेवा, प्रेम और दान' के आदर्श को व्यावहारिक रूप देने के उद्देश्य से रिखियापीठ की स्थापना की। 5 दिसम्बर, 2009 की मध्यरात्रि में वे यौगिक विधि से स्वेच्छानुसार महासमाधि में लीन हो गए।

यह पुस्तक श्री स्वामीजी द्वारा रिखियापीठ में 2005 से 2009 के बीच दिये गये सत्संगों का संकलन है, जिनमें उन्होंने रिखिया के विकास, यज्ञ परम्परा, यौगिक सिद्धान्त, बच्चों की शिक्षा, क्रिया योग, गीता की शिक्षा, ईसा मसीह, अपने जन्म, गुरु-शिष्य सम्बन्ध, पुरषार्थ और प्रारब्ध जैसे अनेक प्रासंगिक विषयों पर अपना मौलिक चिंतन प्रस्तुत किया है। श्री स्वामीजी के व्यावहारिक तथा प्रेरक विचार जीवन में प्रकाश खोजते सभी जिज्ञासुओं को एक नयी दिशा और ऊर्जा प्रदान करते हैं।

YOGA PUBLICATIONS TRUST

ISBN : 978-93-81620-49-6
9 789381 620496